



Mr.Aman Rawal



Ms. Urvashi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119464002



## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट    | वर     | कन्या  | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र         |
|--------|--------|--------|-----|---------|-----|-----------------|
| वर्ण   | शूद्र  | वैश्य  | 1   | 0.00    | --  | जातीय कर्म      |
| वश्य   | मानव   | मानव   | 2   | 2.00    | --  | स्वभाव          |
| तारा   | क्षेम  | वध     | 3   | 1.50    | --  | भाग्य           |
| योनि   | महिष   | गौ     | 4   | 3.00    | --  | यौन विचार       |
| मैत्री | शुक्र  | बुध    | 5   | 5.00    | --  | आपसी सम्बन्ध    |
| गण     | देव    | मनुष्य | 6   | 6.00    | --  | सामाजिकता       |
| भकूट   | तुला   | कन्या  | 7   | 0.00    | हाँ | जीवन शैली       |
| नाड़ी  | अन्त्य | आद्य   | 8   | 8.00    | --  | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल :  |        |        | 36  | 25.50   |     |                 |

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्ड तूँस का वर्ग मृग है तथा डेण न्तओप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ड तूँस और डेण न्तओप का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

डतण्ड तूँस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

डेण न्तओप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।

डतण्ड तूँस तथा डेण न्तओप में मंगलीक मिलान ठीक नहीं है।

### निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं है।